

GRINNINGLY : दन्तान् दर्शयत् (f. न्ती), प्र-, V.p.
 GRIP : I. Subs. : expr. by हस्तम् : v. Grasp.
 II. Verb : गृह्णाति (ग्रह्, c. 9.) : v. To catch.
 GRIPE (subs.) : I. Grasp : q.v. : expr. by हस्तम्. II. Handle : हस्तम्. III. In pl. pain in the intestines : उदरशूलम् (?).
 GRIPE (v.) : I. To grasp : q.v. II. To cause pain to the bowels : expr. by उदरशूलम् (?). III. To distress : सन्तापयति (c. of तप्).
 GRIPER : I. Lit. : ग्राहकः. II. Oppressor : पेशकः.
 GRISLY : भीषण (f. णा) : v. Terrible, horrible.
 GRIST : I. Corn for grinding : पेष्यम्. II. Ground-corn : पिष्टम्. III. Supply, provision : q.v.
 GRISTLE : तरुणास्थि (n.), Sr. (?).
 GRISTLY : तरुणास्थिमयः (यी, यं), Monier Williams.
 GRIT : I. Sand, gravel : q.v. : शर्करा. II. In pl. oats or wheat coarsely ground : स्थूल-पिष्टम् (?).
 GRITTY : शर्करामयः (यी, यं) (?).
 GRIZZEL : पाण्डुरः (रा, रं) : v. Gray.
 GRIZZLY : धूम्रः (घ्रा, घ्रं), g. bear : धूम्रमहः.
 GROAN (v.) : रटति (रट्, c. 1.) : v. To cry, sigh.
 GROAN (subs.) : रटितम्, very sad g.s : अतिकातरं रटितम्, D. : v. Also cry.
 GROAT : प्राचीनमुद्राविशेषः ; *चतुष्पाणिः.
 GROGER : गन्धवणिज् (m.) (?) सितादिविक्रेतु (m.).
 GROCERY : सितादिषण्यम् (?).
 GROIN : I. Lit. : (1) वन्दनः ; (2) वाटः. II. In architecture : *वाटः.
 GROOM (subs.) : (1) अश्वपालः, -कः ; (2) तुरग-परिचारकः, K. and sim. comp.s.
 GROOM (v.) : परिचर्यो करोति (=with gen.) ; परिचरति (चर्, c. 1.).
 GROOVE : I. Subs. : (1) रेखा (=line) ; (2) प्रणाली (=canal). II. Verb : रेखां or प्रणालीं करोति (?).
 GROPE (v.) : परामृश्यति (मृश्, c. 6.) : v. To search, feel.
 GROPINGLY : अन्धकारे परामृशत् (f. ती) (?).

GROSS : I. Bulky : स्थूलः (ला, लं). II. Coarse : स्थूलः (ला, लं) III. Stupid : स्थूलः (ला, लं).
 IV. Obscene : q.v. V. Great, as g. injustice : महत् (f. ती). VI. Whole, total : q.v.
 GROSSLY : I. Greatly : मृशम्. II. Indecently : अश्लीलम्.
 GROSSNESS : I. Thickness, coarseness : स्थौल्यम् or स्थूलता. II. Enormity, greatness : महत्त्वम् III. Indecency : अश्लीलता.
 GROT, GROTTA : (1) कन्दरा ; (2) दरी : v. Cave.
 GROTESQUE : I. Adj. : अपरूपः (पा, पं) (?). II. Subs. : अपरूपम् (?) or by adj.
 GROTESQUELY : अपरूपम् (?) : v. Also ridiculously.
 GROTESQUENESS : अपरूपता (?) : v. Also ridiculousness.
 GROUND (subs.) : I. Lit. : (1) भूमिः or भूः, good g. : गुणवती भूमिः, Ka. ; in another's g. : परभूमौ, Vi. ; seeing him fallen on the g. : तं छट्वा पतितं भूमौ, Ram. vi. 92. 63. ; gone to the g. : गतो भुवि, Ku. xvi. 41. ; (2) क्षितिः (=earth), fruitful g. : फलवती क्षितिः, R. ; (3) स्थलं, -ली, सं-, (=high g.), let us stand from here on high (fighting) g. : तदितः स्थलीमधितिष्ठाव, Vi. v. ; lying on g. full of Dūrvā grass अदभ्रदममिधिशय्य संस्थलीम्, Ki. i. 58 ; (4) स्थण्डिलम् (=cleared g.) (rare), on the bare g. : स्थण्डिल एव केवले, Ku. v. 12. ; (5) रणम् (=battle : q.v. : poet. for battle g.), Ram ; (6) भूतलं or महीतलम् (=surface of earth), V.p. II. Basis ; (1) मूलम् : v. Root ; (2) कारणम् : v. Cause : (3) प्रयोजनम् : v. Object. III. In painting : मितिः, although the g. is plain : मित्तौ समायामपि, Sa. vi. 16. IV. In pl., dregs : मलम्. Ph. : (a) to gain g. : उपचीयते (pass. of चि) : v. To advance ; (b) to lose g. : अवचीयते : v. To decline ; (c) to give g. : v. To recede.
 GROUND (v.i.) : भूमि or क्षिति स्पृशति (स्पृश्, c. 6.) (?) or भूमौ or क्षितौ लगति (लग्, c. 1.) (?).
 GROUND (v.t.) : I. Lit. : भूमौ लगयति (c. of लग्) (?). II. To establish : q.v. : expr. by मूलः (ला, लं), g. ed in love : प्रेममूलः (ला, लं).
 GROUND-FLOOR : प्रथमो भूभागः (after N.) ; sim. भूमिः or क्षितिः (when the sense is clear).